# रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

## एम. फिल. (संस्कृत) पाठ्यक्रम

## संशोधित अध्यादेश 82 /2018 के अनुसार

एम.फिल् संस्कृत पाठ्यक्रम के मुख्य रूप से दो सेमेस्टर होंगे–

### प्रथम सेमेस्टर – एम. फिल. कोर्सवर्क

| क | प्रश्नपत्र | कुल अंक | कुल केडिट 24 |
|---|---|---|---|
| 1. | शोधप्रविधि | 100 | 04 |
| 2. | कम्प्यूटर एप्लीकेशन | 100 | 04 |
| 3. | संबंधित क्षेत्र में प्रगत विषय | 100 | 04 |
| 4. | संबंधित क्षेत्र के प्रकाशित शोधकार्यों की समीक्षा | 100 | 04 |
| 5. | शोध प्रबन्ध की रूपरेखा | 100 | 04 |
| 6. | कॉप्रिहेन्सिव वायवा | 100 | 04 |

### द्वितीय सेमेस्टर – शोधकार्य

| क | प्रश्नपत्र | कुल अंक | कुल केडिट 24 |
|---|---|---|---|
| 1. | सेमिनार | 100 | 04 |
| 2. | असाइन्मेंट | 100 | 04 |
| 3. | लघु शोध प्रबन्ध/ प्रोजेक्ट प्रजेन्टेशन | 100 | 12 |
| 4. | कॉप्रिहेन्सिव वायवा | 100 | 04 |

# प्रथम सेमेस्टर – एम. फिल. कोर्सवर्क

## प्रथम प्रश्नपत्र

## शोधप्रविधि

अंक 100

यूनिट 1 –शोध –प्रविधि का अर्थ एवं स्वरूप, शोध शब्द का अर्थ, स्वरूप एवं शोध का उद्देश्य, शोध के लिए प्रयुक्त अन्य शब्द – अनुसंधान, अन्वेषण, गवेषण, समालोचना आदि का स्वरूप, शोध के तत्त्व एवं सिद्धान्त, शोध की परिकल्पना 20

यूनिट 2– शोधकर्त्ता के अपेक्षित गुण, भाषा एवं विषय से सम्बन्धित योग्यता, शोधक्षेत्र एवं शोधविषय का चयन, शोधकार्य की रूपरेखा (लदवचेपे) की उपयोगिता एवं महत्त्व, शोध–प्रबन्ध का प्रस्तुतिकरण। 20

यूनिट 3– – शोध के क्षेत्र एवं प्रकार ( साहित्यिक शोध, ऐतिहासिक शोध, भाषावैज्ञानिक – अध्ययन ) तुलनात्मक अध्ययन, शोध के अधिकारी, शोध का प्रयोजन 20

यूनिट 4– शोधसामग्री का संकलन ( उसके स्रोत और वर्गीकरण) शोधकार्य की रूपरेखा (प्राक्कथन, भूमिका, अध्यायों का वर्गीकरण, उपसंहार संदर्भ ग्रन्थ सूची) 20

यूनिट 5– सम्पादन विधि, व्याख्यापद्धति (भाष्य, समीक्षा, टीका, अनुवाद, आलोचना) 20

अनुशंसित ग्रन्थ :


1. एन इन्ट्रोडक्शन इण्डियास टक्टुअल क्रिटिसिज्म (भारतीय पाठालोकचन की भूमिका) एस.एम.कर्त्रे
2. अनुसंधान की प्रक्रिया – उदयभान सिंह
3. इन्ट्रोडक्शन टू द क्रिटिकल एडीशन ऑफ द महाभारत (पूना एडीशन) – टी.एम. सुक्थकर
4. इन्ट्रोडक्शन ऑफ नाट्यशास्त्र – एस.के. भट्ट
5. शोध–प्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान – डॉ. अभिराज राजेन्द्र मिश्र (अक्षयवट प्रकाशन, 26, बलरामपुर हाउस, इलाहाबाद)

# द्वितीय प्रश्नपत्र
# कम्प्यूटर एप्लीकेशन

अंक 100

यूनिट 1 – कम्प्यूटर का इतिहास, विशेषताएँ, सीमाएँ, प्रकार( माइक्रो, मिनी, सुपर, डेक्सटॉप, लेपटॉप आदि), शोध के क्षेत्र में कम्प्यूटर की उपयोगिता। 20

यूनिट 2 – हार्डवेयर– मॉनीटर, की–बोर्ड, माउस, सी.पी.यू., प्रिन्टर, स्केनर, यू.पी. एस., सी.डी. डी.वी.डी., पेन ड्राइव, एक्सटरनल हार्ड ड्राइव। 20

यूनिट 3– विन्डोज–7 – (डेस्कटॉप, टास्कबार, स्टार्ट मेन्यु, माई कम्प्यूटर, माई डाक्यूमेण्ट्स, प्रोग्राम, सेटिंग्स, फोल्डर एण्ड फाईल्स, रिसाइकिलबिन) 20

यूनिट 4– माइक्रोसाफ्ट ऑफिस – (एम.एस. वर्ड, पावरपॉइन्ट , टाइपिंग (हिन्दी–इंगलिश) फॉन्ट्स, पेज लेआउट, रीसेन्ट डाक्यूमेण्ट्स, कट, पेस्ट, कॉपी, सेव, अनडू, रीडू इत्यादि)। 20

यूनिट 5– साफ्टवेयर – सी.डी., डी.वी.डी. बर्नर, नेरो इत्यादि, पी.डी.एफ., एडोब, विण्डोस मीडिया प्लेयर्स, विनेप इत्यादि, एन्टी वायरस (नार्टन, एवेस्ट, क्विकहील इत्यादि), इन्टरनेट ब्राउजर (इन्टरनेट एक्सप्लोरल, क्रोम, फायरफाक्स) , ब्लॉग्स, वर्ड प्रेस, ब्लागपोस्ट इत्यादि। ई–मेल, सोशल मीडिया (वेबसाइट, फेसबुक, ट्वीटर इत्यादि, न्यूज एण्ड अदर अपडेट्स। 20

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. बेसिक ऑफ कम्प्यूटर एण्ड इन्फॉरमेंशन टेक्नोलॉजी– एस. के. विजय
2. कम्प्यूटर फन्डामेंटल्स– पी. के. सिन्हा

# तृतीय प्रश्नपत्र

## संबंधित क्षेत्र में प्रगत विषय –संस्कृत साहित्य एवंसाहित्यशास्त्र

अंक 100

| | |
|---|---|
| 1. वेद और वेदांग, | 20 |
| 2. संस्कृत के दृश्य काव्य एवं श्रव्य काव्य (स्वरूप एवं विकास) | 20 |
| 3. भारतीय दार्शनिक प्रस्थान | 20 |
| 4. रसगंगाधर प्रथममानन रस दोष तक | 20 |
| 5. औचित्य विचार चर्चा | 20 |

अनुशंसित ग्रन्थ –


1. संस्कृतशास्त्रों का इतिहास – डॉ. बलदेव उपाध्याय
2. हिस्ट्री ऑफ संस्कृत लिटरेचर – विन्टरनिट्ज
3. हिस्ट्री ऑफ संस्कृत लिटरेचर – कीथ
4. संस्कृत साहित्य का वृहद् इतिहास – गैरोला
5. संस्कृत कवि दर्शन – डॉ. भोला शंकर दास
6. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक् इतिहास – डॉ. रामजी उपाध्याय
7. संस्कृत कवियों के व्यक्तित्व का विकास – डॉ. राधा वल्लभ त्रिपाठी
8. प्राचीन संस्कृत नाटक – डॉ. रामजी उपाध्याय
9. भारतीय साहित्य शास्त्र – डॉ. गणेश त्रयम्बक देश पाण्डेय
10. रसगंगाधर का शास्त्रीय अध्ययन – डॉ. प्रेम स्वरूप गुप्ता
11. हिस्ट्री ऑफ संस्कृत पोयिटिक्स – डॉ. पी.व्ही. काणे

# चतुर्थ प्रश्नपत्र
## सम्बन्धित क्षेत्र के प्रकाशित शोध–कार्यों की समीक्षा

अंक 100

शोधार्थी को निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर आवंटित विषय से सम्बन्धित प्रतिवेदन प्रस्तुत करना होगा –

अ. सम्बन्धित विषय पर उपलब्ध आलोचनात्मक ग्रन्थों की सूची एवं उनकी समीक्षा (ऐसे ग्रन्थों की संख्या कम से कम 10 होनी चाहिए।)

ब. सम्बन्धित विषय पर उपलब्ध प्रकाशित शोध प्रबन्धों/शोध पत्रिकाओं की सूची एवं उनकी समीक्षा

(ऐसे शोध कार्यों की संख्या कम से कम 05 होनी चाहिए।)

## पंचम प्रश्नपत्र

## शोधप्रबन्ध की रूपरेखा (Synopsis Submission)

**अंक 100**

शोधार्थी को निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर शोधप्रबन्ध हेतु आवंटित विषय की रूपरेखा प्रस्तुत करनी होगी।

- शोध की परिकल्पना
- प्राक्कथन
- भूमिका
- अध्यायों का वर्गीकरण
- उपसंहार
- संदर्भ ग्रन्थ सूची

## षष्ठ प्रश्नपत्र

## कॉम्प्रिहेन्सिव वायवा (Comprihensive viva-voci)

**अंक 100**

शोधार्थी को उपर्युक्त सभी प्रश्नपत्रों के आधार पर मौखिक–परीक्षा देनी होगी।

# द्वितीय सेमेस्टर – शोधकार्य

## प्रथम प्रश्नपत्र

## सेमिनार

अंक 100

विभाग में तीन सेमिनार आयोजित होगें जिसमें प्रत्येक शोधार्थी को शोधपत्र प्रस्तुत करना होगा। प्रत्येक सेमिनार हेतु 50 अंक निर्धारित हैं। तीन में से जिन दो सेमिनारों में अधिक अंक होगें उनके योग के अनुसार ग्रेड दिए जाएँगे।

## द्वितीय प्रश्नपत्र

## असाइन्मेन्ट

अंक 100

शोधार्थी को दिए गए विषय पर असाइनमेंन्ट प्रस्तुत करना होगा ।

# तृतीय प्रश्नपत्र

## लघु शोध प्रबन्ध/ प्रोजेक्ट प्रजेन्टेशन

**अंक 100**

निर्धारित विषय पर छात्र को प्रदत्त समयावधि में लघुशोध–प्रबन्ध प्रस्तुत करना होगा।

लघुशोध–प्रबन्ध की तीन हार्ड कॉपी एवं दो सॉफ्ट कॉपी (सी. डी.) जमा करना होगा जो एम. एस. वर्ड फॉर्मेट में होना चाहिए।

लघुशोध–प्रबन्ध पर प्रस्तुत करने से पूर्व छात्र को विभाग में प्री. एम. फिल् प्रजेन्टेशन देना अनिवार्य है।

# चतुर्थ प्रश्नपत्र

## कॉप्रिहेन्सिव वायवा (Comprihensive viva-voci)

**अंक 100**

शोधार्थी का लघुशोध–प्रबन्ध पर आधारित मौखिक–परीक्षा देनी होगी जो बाह्य एवं आन्तरिक परीक्षक के द्वारा ली जाएगी।